हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, सोमवार, 13 अक्टूबर 2025

तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 17.0 डिग्री

12 सरकार की किसान हितैषी योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं

12 ध्यान से शांति की खोज पर हुआ चिंतन-मनन

खबर संक्षेप

वाई. पूरण कुमार सुसाइड की हो निष्पक्ष जांच

हिसार। हरियाणा ओड सभा के प्रदेश सचिव राजकुमार गंगवानी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मांग की है कि दिवंगत अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस वाई. पूरण कुमार मामले की जांच सीटिंग जज से करवाई जाए। उन्होंने कहा कि उक्त अधिकारी को आत्महत्या करने पर मजबूर करने तथा उनके द्वारा सुसाइड नोट में जिन लोगों के नाम दिए गए हैं जिसमें पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर, नरेंद्र बिजारणिया पुलिस अधीक्षक रोहतक व अन्य आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर उन्हें नौकरी से बर्खास्त किया जाए।

शिक्षकों ने कार्यशाला में सीखे तनाव प्रबंधन के गुर

हिसार। अर्बन इस्टेट स्थित विश्वास सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सीबीएसई इन हाउस प्रशिक्षण कार्य के अंतर्गत सभी शिक्षकों के लिए 'तनाव प्रबंधन' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का संचालन सीबीएसई रिसोर्स पर्सन प्रवीन भाटिया ने किया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को शिक्षण के दौरान होने वाले तनाव को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के गुर सिखाना था।

वाई. पूर्ण कुमार मामले की निष्पक्ष जांच हो : एसयूसीआई

हिसार। एसयूसीआई कम्युनिस्ट ने आईपीएस अधिकारी वाई. पूर्ण कुमार आत्महत्या मामले में निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए दोषी अधिकारियों को तुरंत गिरफ्तार करने व उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। पार्टी के राज्य सचिवमंडल सदस्य व हिसार जिला के सचिव मेहर सिंह बांगड़ ने कहा कि एक आईपीएस अधिकारी द्वारा अपने उच्च अधिकारियों की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या करने के लिए मजबूर होना सरकारी प्रशासनिक तंत्र की कार्य प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

पोलियो उन्मूलन अभियान सफल बनाना सभी का फर्ज

हिसार। किरतान गांव में पोलियो उन्मूलन अभियान के तहत मेरा युवा भारत हिसार एवं आजाद हिन्द युवा क्लब किरतान ने सहयोग किया। पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियोरोधी ड्राप्स पिलाई गई। इस मौके पर आजाद हिन्द युवा क्लब के प्रधान कपूर सिंह आर्य ने कहा कि गांव में पांच साल तक का कोई भी बच्चा पोलियोरोधी ड्राप्स लेने से छूट ना जाए। इस अभियान को सफल बनाने और देश को पोलियोमुक्त बनाने के लिए हर व्यक्ति को जागरूक होना होगा। गांव के स्वास्थ्य केंद्र में 5 साल तक के 96 बच्चों को पोलियों ड्रॉप पिलाई गई। यह कार्यक्रम अगले तीन दिन तक गांव में चलेगा। हर आदमी का फर्ज बनता है कि इस अभियान को सफल बनाए।

भाई की शिकायत पर अज्ञात पर दर्ज किया था पुलिस ने केस

ट्रांसपोर्टर हत्या मामले में सप्ताह बाद भी पुलिस के हाथ खाली

अभी पुलिस को नहीं मिल पाया राजेश के हत्यारोपियों का सुराग

सुंदर नगर में सोमवार रात को ट्रांसपोर्टर लगभग 44 वर्षीय राजेश की मोटरसाइकिल पर आए युवकों ने गोलियां मारकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद पहुंची पुलिस की विभिन्न टीमों ने जरूरी साक्ष्य जुटाए व जांच शुरू की थी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

शहर के सुंदर नगर में सोमवार रात गोली मारकर मौत के घाट उतारे गए ट्रांसपोर्टर राजेश के हत्यारोपियों की गिरफ्तारी मामले में पुलिस के हाथ अभी खाली है। लगभग एक सप्ताह बाद भी पुलिस हत्यारोपियों तक नहीं पहुंच पाई है। इस संबंध में पुलिस ने मृतक के भाई भिवानी जिले के नकीपुरा निवासी संतू की शिकायत पर अज्ञात हमलावरों पर केस दर्ज किया था। सुंदर नगर में सोमवार रात को ट्रांसपोर्टर लगभग 44 वर्षीय राजेश की मोटरसाइकिल पर आए युवकों ने गोलियां मारकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद पहुंची पुलिस की विभिन्न टीमों ने जरूरी साक्ष्य जुटाए और जांच शुरू की लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। भिवानी जिले के नकीपुरा गांव निवासी राजेश पिछले 5-6 साल से हिसार में ही रहता था। पुलिस सूत्रों का कहना है कि राजेश की हत्या मामले में कई एंगल से जांच की जा रही है। हत्या मामले की जांच व आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें लगी हुई है। हालांकि मृतक के भाई ने शिकायत में कहा है कि उसके भाई का किसी से विवाद नहीं था लेकिन फिर भी पुलिस हत्या के इस मामले में व्यवसायिक व पारिवारिक विवाद के साथ-साथ अन्य एंगल पर भी जांच कर रही है ताकि हमलावरों को शीघ्र पकड़ा जा सके।

ये था मामला

मूलरूप से भिवानी जिले के नकीपुरा गांव निवासी राजेश सुंदर नगर में ट्रांसपोर्ट का काम करता था, साथ ही एक कनफेक्शनरी की दुकान चलाता था। वह उसी दुकान के पिछले हिस्से में रहता था। पिछले सोमवार रात को बाइक पर आए दो युवकों ने राजेश की छाती में गोली दाग दी, जिससे वह वहीं ढ़ेर हो गया। घटना के समय पर वह सुंदर नगर में अपनी दुकान के बाहर खड़ा था। मौके पर पहुंची पुलिस की पांच टीमों ने तुरंत छानबीन शुरू की और घायल राजेश को नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हिसार। राजेश की दुकान, जहां वारदात हुई। *(फाइल फोटो)।*

भाई ने दर्ज करवाई शिकायत

मृतक राजेश के भाई संतू ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रात में उसके पास एक महिला का फोन आया जिसमें बताया था कि उसके भाई की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। संतू ने बताया कि उसका भाई ट्रांसपोर्ट का काम करता था। संतू के अनुसार उसके भाई का किसी के साथ कोई विवाद नहीं था।

पुलिस ने जुटाए साक्ष्य

घटना के बाद शहर थाना से एसआई रामचंद्र अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं, जबकि सीआईए की टीम हमलावरों की तलाश कर रही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और कॉल डिटेल्स खंगाल रही है।

पूर्व मंत्री जसवंत सिंह की पत्नी सुशीला देवी का निधन

- लाजपत नगर स्थित अपने निवास पर अंतिम सांस ली

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौंद

क्षेत्र के गांव खांडाखेड़ी निवासी राज्य के पूर्व मंत्री चौ. जसवंत सिंह की पत्नी 76 वर्षीय सुशीला देवी का रविवार सुबह निधन हो गया। उन्होंने हिसार के लाजपत नगर स्थित अपने निवास पर अंतिम सांस ली। इसके बाद उनका अंतिम संस्कार हिसार में ही किया गया, जहां बेटे जसपाल सिंह ने मुखाग्नि दी। सुशीला देवी मूल रूप से नारनौंद विधानसभा क्षेत्र के गांव खांडा खेड़ी की रहने वाली थीं। वे वर्ष 1994 में जिला परिषद सदस्य भी रही थीं।

लगभग 76 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

दिवंगत सुशीला देवी।

पूर्व मंत्री का योगदान

पूर्व मंत्री चौ. जसवंत सिंह हरियाणा की राजनीति में एक मजबूत स्तंभ रहे। वे राव वीरेंद्र सिंह, चौ. बंसीलाल और चौ. ओमप्रकाश चौटाला की सरकारों में तीन बार मंत्री रहे। वर्ष 1967 में हरियाणा बनने के बाद पहले चुनाव में मुंढाल से निर्दलीय विधायक चुने गए। बाद में बंसीलाल सरकार में बिजली, सार्वजनिक स्वास्थ्य और पशुपालन मंत्री रहे। बिजली निगम के निजीकरण का विरोध करते हुए उन्होंने 1997 में मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

हिसार। स्वास्थ्य एवं अध्यात्म प्रयोगशाला में उपस्थित साधकों को संबोधित करते डॉ. गोपाल शास्त्री व उपस्थित साधक। *फोटो: हरिभूमि*

स्वाभाविक अवस्था में परिवर्तन का नाम ही रोग : डॉ. गोपाल

- अग्रसेन भवन में स्वास्थ्य एवं अध्यात्म प्रयोगशाला जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

बदरी नारायण सेवाग्राम, मेरठ से आये डॉ. गोपाल शास्त्री के सानिध्य में तथा अग्रसेन भवन ट्रस्ट के सहयोग से अग्रसेन भवन में चल रही स्वास्थ्य एवं अध्यात्म प्रयोगशाला के दूसरे दिन सैंकड़ों की संख्या में साधकों ने लाभ उठाया। प्रयोगशाला में आये हुए साधकों को अपचन, गैस, कब्जियत, एसीडिटी, कोलेस्ट्रोल वृद्धि आदि बीमारियों के बारे में विस्तार से बताया गया। डॉ. गोपाल शास्त्री ने साधकों को बताया कि जो स्व में स्थित है अर्थात जिसका तन, मन, बुद्धि तीनों स्वाभाविक रुप से अपने कार्य सम्पन्न कर रहे हैं, किसी प्रकार का विघ्न उपस्थित नहीं है, वास्तविक अर्थों में वही स्वस्थ है।

लॉटरी व एसएमएस धोखाधड़ी से रहे सचेत

- साइबर ठगी के मामले लगातार आ रहे सामने, लोगों को दी सतर्क रहने की सलाह

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने आम जनता को साइबर ठगों से सचेत रहने का आह्वान किया है। उनका कहना है कि हाल के दिनों में साइबर ठगों द्वारा लोगों को लॉटरी जीतने, मोबाइल कंपनी या बैंक द्वारा इनाम मिलने, या सरकारी योजना में चयन होने का झांसा देकर ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं लेकिन ये शत-प्रतिशत ठगी के तरीके होते हैं।

पुलिस अधीक्षक शशांक सावन ने कहा कि ठग आमतौर पर मोबाइल कॉल, एसएमएस, ईमेल या सोशल मीडिया संदेशों के माध्यम से लोगों को यह विश्वास दिलाते हैं कि उन्होंने बड़ी राशि या महंगी कार जीती है। इसके लिए रजिस्ट्रेशन फीस, टैक्स या प्रोसेसिंग चार्ज के रूप में कुछ रुपये जमा करवाने होते हैं। जैसे ही व्यक्ति पैसा भेजता है, ठग उसके बाद मोबाइल नंबर बंद कर देते हैं या संपर्क से गायब हो जाते हैं।

एसपी ने स्पष्ट किया कि कोई भी सरकारी विभाग, बैंक या प्रतिष्ठित कंपनी कभी भी किसी व्यक्ति को बिना भागीदारी के लॉटरी या इनाम नहीं देती। ऐसे सभी संदेश या कॉल 100 प्रतिशत फर्जी और धोखाधड़ीपूर्ण होते हैं। आमजन इनसे सावधान रहें और किसी भी स्थिति में अनजान व्यक्ति को अपनी निजी जानकारी या बैंक डिटेल्स साझा न करें।

पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन।

तरंत करें रिपोर्ट

पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से अपील की कि किसी भी अज्ञात नंबर से आए कॉल या संदेश पर विश्वास न करें। रजिस्ट्रेशन फीस, टैक्स या प्रोसेसिंग चार्ज के नाम पर कोई भी राशि ट्रांसफर न करें। ऐसे किसी भी कॉल या मैसेज की तुरंत सूचना साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 या वेबसाइट पर दें शिकायत। संबंधित थाना या हिसार साइबर पुलिस थाने से संपर्क कर जानकारी साझा करें ताकि ठगों के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई की जा सके। नागरिक सतर्क रहें, सुरक्षित रहें, और दूसरों को भी इन साइबर अपराधों से बचने के लिए जागरूक करें।

लिव इन रिलेशनशिप कानून में बदलाव

- माइयड़ में हुआ भाईचारा सम्मेलन, विभिन्न गांवों के ग्रामीण हुए एकजुट

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

नजदीकी गांव माइयड में कौहाड़, नागल, जाटान गौत्र का पहला भाइचारा सम्मेलन रविवार को आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में विभिन्न गांवों से सैकड़ों मौजिज व्यक्ति पहुंचे। किसान नेता जोगिंदर मायड़ ने बताया कि हमारे ये तीनों गोत्र एक ही गोत्र में आते हैं और तकरीबन 70 गांव में हमारा भाईचारा मिला। उन्होंने बताया कि इसकी शुरुआत राजली के युवा साथी प्रदीप कोहाड़ और सिसाए के एक युवा साथी विजय कोहाड़ ने मिलकर जनवरी में की और एक ग्रुप बनाया और वह भाईचारे को जोड़ते चले गए। आज तक बिखरा पड़े भाईचारे के लोग आज पहली बार सैकड़ों की संख्या में तीनों गोत्र का भाईचारा मैयड़ पहुंचा। मैयड़ गांव के सारे भाईचारे ने मिलकर बाहर से आए भाइयों की मेजबानी की।

हिसार। माइयड़ में आयोजित भाईचारा सम्मेलन में मौजूद विभिन्न स्थानों से पहुंचे लोग।

सम्मेलन में पारित हुए कई प्रस्ताव

जोगिन्द्र माइयड़ ने बताया कि इसके अलावा कई प्रस्ताव पारित किए गए जिसमें सर्वसम्मति से लिव इन रिलेशनशिप कानून में बदलाव करने की मांग उठी। लव मैरिज में लव मैरिज करने पर माता-पिता की सहमति जरूरी हो। बच्चे नशे से दूर रहें। हर गांव में बच्चों के पढने के लिए लाइब्रेरी की व्यवस्था करवाई जाए। गांवों को साफ सुथरा रखा जाए और गांव में हर गांव में भारी मात्रा में हजारों हजार पौधे लगाए जाएं ताकि प्राकृतिक असंतुलन ठीक रह सके। जोगिंद्र माईयड़ ने बताया कि इसके गठन और विस्तार को लेकर अगले सम्मेलन में चर्चा होगी।

ये रहे सम्मेलन में मौजूद

इस मौके पर किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़, प्रियंका कोहाड, विकास सरपंच माइयड़, सत्यवान कौहाड़, कुलदीप भकलाना, चेयरमैन बीडीसी, बबल प्रधान बड़वासनी, मास्टर महेंद्र सिंह, रणबीर नागल एमडी, विजेंद्र राजपुरा, हवासिंह जटान सुरपुरा, मास्टर सतीश कोहाड़ उदयपुर सहित काफी संख्या में भाईचारे के लोग मौजूद थे।

बुराइयां दूर करने के दिए सुझाव

सम्मेलन में सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए सुझाव दिए गए। गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार रखते हुए कहा कि सबसे पहला कदम अपने बच्चों को शिक्षित करना है क्योंकि आने वाली पीढ़ी अगर अच्छी मजबूत शिक्षा लेगी तो इस देश में जो पाखंड है उस पाखंडवाद का विरोध करेगी। देश में पाखंडी बाबाओं ने जो आतंक मचा रखा है और जो युवा पीढ़ी के ऊपर कंट्रोल कर रहे हैं उनका विरोध किया जाएगा।

हमारा प्यार हिसार ने शहर सजाया

- मंडल आयुक्त अशोक गर्ग ने 'हमारा प्यार हिसार' के सदस्यों से किया सामाजिक गतिविधियों को विस्तार देने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

सामाजिक संस्था 'हमारा प्यार हिसार' की ओर से रविवार को कैमरी रोड पर पीएलए व हरियाणा पुलिस के भवन की दीवारों पर पेंटिंग अभियान चलाया। यहां दीवार पर लोगों ने विज्ञापन छाप कर उसे गंदा किया हुआ था। अभियान के उपरांत सभी सदस्य मंडल आयुक्त अशोक गर्ग के निवास पर पहुंचे और उनसे शिष्टाचार भेंट की। वरिष्ठ सदस्य सुशील खरींटा ने आयुक्त को संस्था की अब तक की गतिविधियों और सामाजिक पहलों की जानकारी दी। श्री गर्ग ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि 'हमारा प्यार हिसार' जैसी संस्थाएं शहर के सौंदर्यीकरण और समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने आह्वान किया कि संस्था अपनी गतिविधियों का और विस्तार करे ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें।

हिसार। पेंटिंग अभियान के अवसर पर उपस्थित हमारा प्यार हिसार के सदस्य।

ये रहे मौजूद

पेंटिंग अभियान में सुशील खरींटा, प्रो. हरीश भाटिया, डॉ. राज वर्मा, अदेश मलिक, कमल भाटिया, मधु गोयल, डॉ. बीबी बांगा, मूलचंद खत्री, मंजुला खत्री, ममता छाबड़ा, विजय कादियान, गगन मेहता, जितेन्द्र बंसल, दिनेश बंसल, मंदीप पूनिया, अनुराग परवाल, विक्रम मित्तल, राजन वर्मा, पवन सोनी, विक्की रौतेला, संजय मारवाड़ी, अश्वनी, अमित गर्ग, एलिना मेहता, ईशा बिष्ट, एकता, मुकुल, पूर्वी बंसल, इप्सिता, रिमछा, भाविका, सैफी, कैफी एवं भव्य शामिल हुए।

सेमिनार | वानप्रस्थ की वृद्धजन देखभाल मार्गदर्शिका महत्वपूर्ण कदम : अशोक गर्ग

हरियाणा में होस्पिस तो दूर, बुजुर्गों के लिए स्किल्ड केयर गिवर्स ही उपलब्ध नहीं

विश्व होस्पिस एवं पेलियेटिव केयर दिवस सेमिनार का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सभी के लिए स्वास्थ्य की उपलब्धता को बुनियादी अधिकार बनाने की पैरवी की और अनेक देशों के हस्ताक्षर के बाद 1986 में इसे आलम अता घोषणा के रूप में स्वीकार किया गया। वर्ष 2014 में इस घोषणा में पेलियेटिव केयर की उपलब्धता को भी शामिल कर दिया गया और लक्ष्य रखा गया कि 10 वर्षों के भीतर निम्न-मध्यम वर्ग समेत सभी तक इसकी पहुंच सुनिश्चित हो जाए। आज वादे के निर्धारित 10 साल बीत जाने के बाद इस साल का थीम उस वादे की पूर्ति का मूल्यांकन रखा गया है। पूरी दुनिया में अक्टूबर का दूसरा शनिवार विश्व होस्पिस और पेलियेटिव केयर दिवस के रूप में मनाया जाता है। पेलियेटिव देखभाल के अंतर्गत जीवन के अंतिम पड़ाव पर पहुँच चुके रोगी की सम्मानजनक मृत्यु सुनिश्चित करना आता है और होस्पिस की उपलब्धता इसका संस्थागत प्रवधान है। हिसार समेत पूरे हरियाणा राज्य का मूल्यांकन दर्शाता है कि होस्पिस तो दूर की बात है, यहां तो बुजुर्गों के लिए स्किल्ड केयर गिवर्स ही उपलब्ध नहीं हैं। इसी विषय पर मॉडल टाउन स्थित मुंशी प्रेमचंद लाइब्रेरी में सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें मंडल आयुक्त अशोक गर्ग मुख्य तिथि थे। उन्होंने अपनी माता जी के फ्रैक्चर के बाद की देखभाल से जुड़े अनुभव सांझा करते हुए स्किल्ड केयर गिवर्स और आमजन में स्किल्स की जानकारी के अभाव पर चिंता व्यक्त की। स्किल्ड केयर गिवर्स के अभाव को भरने के लिए उन्होंने वानप्रस्थ डिग्निटी ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित की जा रही पुस्तक साथी बनेः वृद्धजन देखभाल मार्गदर्शिका को महत्वपूर्ण कदम बताया। प्रधान डॉ. एमएल गुप्ता ने ट्रस्ट द्वारा चलाए जा रहे उपकरण बैंक और क्लाइमेट रीसिलिएंट हिसार पुस्तक श्रृंखला के अंतर्गत शहर की समस्याओं पर प्रकाशित की जा रही पुस्तकों का उल्लेख करते हुए बताया कि इन्हें निशुल्क उपलब्ध किया जा रहा है।

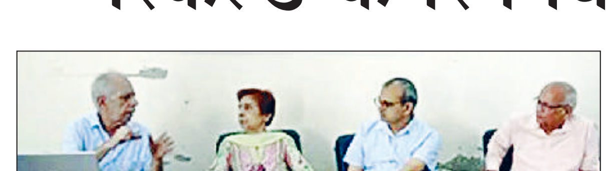

हिसार। सेमिनार में उपस्थित मंडल आयुक्त अशोक गर्ग व अन्य सदस्य।

होस्पिस और स्किल्ड केयर पर चर्चा

सेमिनार में डॉ. अजित कुंडू ने ट्रेनिंग के लिए छात्रों की निरंतर उपलब्धता पर चिंता रखी और प्रो हरीश जुनेजा ने स्किल्ड केयर गिवर्स के रोजगार की निरंतरता पर विचार करने और प्रो पद्म मेहता ने केयर गिविंग को किफ़ायती बनाने पर बल दिया। अजीत सेठी ने बताया कि गत माह सेवानिवृत हुई डॉ. रत्ना भारती कैमरी गांव में होस्पिस रूपी संस्थागत प्रावधान स्थापित कर रही हैं जहां कैंसर पीड़ित रोगियों का निःशुल्क उपचार और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध की जाएंगी।

दिवाली पर्व

हरियाणा प्रदेश में दिवाली पर्व को विशेष रूप से कृषि से जोड़कर देखा जाता है। किसान अच्छी फसल के लिए माता लक्ष्मी की पूजा करते हैं। यहाँ गोवर्धन पूजा का महत्व भी होता है, जिसमें किसान अपने पशुओं को सजाते हैं और उनकी पूजा करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग दीयों से अपने खेतों और घरों को रोशन करते हैं।

परंपरा और विश्वास का लोकपर्व है अहोई अष्टमी

हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहां त्योहार केवल रस्म नहीं होते, बल्कि सामाजिक तालमेल और खुशियों का प्रतीक भी होते हैं। माताएँ अपनी संतान की दीर्घायु के लिए अहोई माता का व्रत रखती हैं। हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में "होई माता" की कथा और पारंपरिक चित्रांकन का विशेष महत्व है।

पर्व

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा अपनी संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ की मिट्टी में मेहनत, वीरता और अपनेपन के साथ-साथ अतीत से ही सांस्कृतिक सुगंध भी बसी है। इसीलिए हरियाणा के लोग न केवल कृषि और खेलों में अग्रणी है बल्कि अपने धार्मिक और सांस्कृतिक त्योहारों को पूरे हर्षोल्लास से मनाने के लिए भी जाने जाते हैं। हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहां त्योहार केवल रस्म नहीं होते, बल्कि सामाजिक तालमेल और खुशियों का प्रतीक भी होते हैं। लोग पारंपरिक लोक गीतों, नृत्यों और सादगी भरे रीति-रिवाजों से त्योहारों को जीवंत बना देते हैं।

यहाँ त्योहार केवल पूजा तक सीमित नहीं, बल्कि गाँवों में सामूहिक एकता, रिश्तों की मजबूती और परंपराओं की निरंतरता का प्रतीक हैं। इसके अलावा यह जानना रोचक होगा कि हरियाणा में हर त्योहार को मनाने के पीछे कुछ वैज्ञानिक, सामाजिक अथवा सांस्कृतिक कारण रहते हैं। फिर चाहे होली, दीवाली, गोवर्धन पूजा, बासोड़ा, शीतला अष्टमी, धुलेंडी, तीज, रक्षाबंधन, भाईदूज, करवा चौथ, नवरात्र, बसंत पंचमी हो या अहोई अष्टमी। गौरतलब है कि हरियाणवी संस्कृति में नारी जाति का विशेष सम्मान है। माँ, बहन और बेटी के रूप में नारी को शक्ति और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। तीज, रक्षाबंधन, करवा चौथ जैसे अनेक पर्व स्त्रियों की श्रद्धा तथा विश्वास का प्रतीक हैं और उन्हीं में से एक है 'अहोई अष्टमी' अहोई अष्टमी कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाने वाला त्योहार है जो दिवाली से लगभग 8 दिन पहले। सनातन पंचांग के अनुसार, यह तिथि करवा चौथ के ठीक चार दिन बाद और दिवाली से सात-आठ दिन पहले आती है।

अहोई अष्टमी मुख्यतः उत्तर भारत में बड़े श्रद्धाभाव से मनाई जाती है। यह पर्व विशेष रूप से हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान और बिहार में अत्यंत लोकप्रिय है, जहाँ माताएँ संतान की दीर्घायु के लिए अहोई माता का व्रत रखती हैं। हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में "होई माता" की कथा और पारंपरिक चित्रांकन का विशेष महत्व है। मध्य प्रदेश और गुजरात में भी उत्तर भारतीय परिवारों के बीच यह परंपरा प्रचलित है। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के कुछ क्षेत्रों में भी अहोई अष्टमी का व्रत किया जाता है। भारत के बाहर, फिजी, मॉरीशस, सूरीनाम, कनाडा, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों में बसे भारतीय समुदाय भी इस पर्व को उतनी ही आस्था से मनाते हैं। हरियाणा के साथ-साथ सम्पूर्ण भारत इस वर्ष की अहोई अष्टमी आज सोमवार 13 अक्टूबर 2025 (सोमवार) को मना रहा है।

इस दिन माताएँ व्रत रखती हैं और अहोई माता की पूजा करके अपने बच्चों की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और स्वस्थ जीवन की कामना करती हैं। पावन भाव से व्रत करते हुए महिलाएं अपने घरों में बच्चों के लिए विशेष व्यंजन भी बनाती हैं। अहोई अष्टमी की सुबह महिलाएँ स्नान कर निर्जला व्रत आरंभ करती हैं और शाम को तारों के दर्शन के बाद ही व्रत खोलती हैं। माना जाता है कि अहोई माता की पूजा करने से संतान की रक्षा होती है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। अहोई अष्टमी के दिन "अहोई कथा" सुनने की भी परंपरा है। शाम के समय गाँव की महिलाएँ एकत्र होकर अहोई माता की कथा का वाचन करती हैं। इस सन्दर्भ में प्रचलित लोक कथा के अनुसार, एक बार एक स्त्री जंगल में मिट्टी खोदने गई थी। अनजाने में उसके फावड़े से एक साही (या शेरनी के बच्चे) को चोट लग गई और वह मर गया। उस स्त्री को शाप मिला कि उसकी संतान जीवित नहीं रहेगी। दुःखी होकर जब उसने पश्चाताप किया, तो उसे बताया गया कि वह कार्तिक कृष्ण अष्टमी के दिन अहोई माता की पूजा करे। स्त्री ने श्रद्धा से व्रत रखा और माता की कृपा से उसे संतान सुख प्राप्त हुआ। तभी से यह व्रत अहोई अष्टमी के नाम से प्रसिद्ध हुआ। कथा के बाद सात बार "अहोई माता की जय" बोलकर माताएँ अपने बच्चों के नाम लेती हैं और माता से उनकी रक्षा और लंबी आयु की प्रार्थना करती हैं।

अहोई अष्टमी का पर्व बड़े श्रद्धा के साथ जनमानस को लोककला से जोड़ने का कार्य करता चला आ रहा है। हरियाणा के कई इलाकों में अहोई अष्टमी लोककला का भी सुंदर प्रदर्शन बन जाती है। इस दिन महिलाएँ अपने घरों में दीवार या कागज़ पर अहोई माता की आकृति बनाती हैं। यह चित्र गेरू, चावल के घोल या मिट्टी से पारंपरिक लोककला शैली में बनाया जाता है। चित्र में माता के साथ सात बिंदियाँ बनाई जाती हैं, जो सात संतान या सात पीढ़ियों का प्रतीक मानी जाती हैं। बाघ या साही का चित्र अहोई माता का वाहन दर्शाता है। महिलाएँ अहोई माता की आकृति पारंपरिक शैली में बनाती हैं, उसके आगे जकरी रखती हैं और चाँदी की "श्यो माता की माला" भी रखती हैं। घर में जितने बच्चे हों उतनी ही चांदी से बनी पत्तियाँ माला में डालकर इन पर पहनाई जाती हैं या यह माला विवाहित स्त्रियाँ संतान प्राप्ति की कामना से धारण करती हैं। मिट्टी की "जकरी" बनाई जाती है जिसे पूजा के बाद जलाशय में विसर्जित किया जाता है। हालांकि मिट्टी की "जकरी" का स्थान आजकल लगभग सब जगह धातु के बने छोटे कलश ने ले लिया है।

अहोई माता की आकृति पारंपरिक शैली में बने चित्र के आगे दो "जकरियाँ" रखी जाती हैं, एक में पानी और दूसरी में अनाज या भोजन सामग्री। पूजा के समय इन जकरियों में दीपक जलाकर माता की आराधना की जाती है, प्रसाद चढ़ाया जाता है और कथा सुनने के बाद सभी महिलाएँ एक-दूसरे को शुभकामनाएँ देती हैं। पूजा के बाद इन्हें अहोई माता के आगे रखा जाता है और भाई दूज के दिन "पानी वाली जकरी" का जल घर में छिड़का जाता है।

> हरियाणा की लोक परंपरा में "बाणा काढ़ना" भी अहोई अष्टमी के दिन की जाने वाली परम्पराओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। "बाणा" जिसमें महिलाएं इस दिन सास और ननद बहू को श्रृंगार सामग्री जैसे चूड़ियाँ, बिंदी, सिंदूर, मिठाई, कपड़े या नारियल भेंट करती हैं। यह प्रथा परिवार में प्रेम और अपनापन बढ़ाने का प्रतीक मानी जाती है। हरियाणा में यह कहावत प्रचलित है "सासू देवे बाणा, बहू राखे व्रत निभाणा।"

ऐसा माना जाता है कि इससे घर का वातावरण पवित्र रहता है और बच्चों की सुरक्षा होती है। इस परंपरा में हरियाणा के लोगों की आस्था और घरेलू संस्कारों की गहराई झलकती है। हरियाणा की लोक परंपरा में "बाणा काढ़ना" भी अहोई अष्टमी के दिन की जाने वाली परम्पराओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। "बाणा" जिसमें महिलाएं इस दिन सास और ननद बहू को श्रृंगार सामग्री जैसे चूड़ियाँ, बिंदी, सिंदूर, मिठाई, कपड़े या नारियल भेंट करती हैं। यह प्रथा परिवार में प्रेम और अपनापन बढ़ाने का प्रतीक मानी जाती है। हरियाणा में यह कहावत प्रचलित है "सासू देवे बाणा, बहू राखे व्रत निभाणा।" इससे परंपरागत ढंग से बड़ों के प्रति सम्मान की भावना का विकास भी होता है।

जन सामान्य से प्राप्त जानकारी के अनुसार हरियाणा के विभिन्न जिलों में अहोई अष्टमी की अपनी अलग-अलग लोक परंपराएँ हैं। रोहतक और झज्जर क्षेत्र में महिलाएँ अहोई माता का चित्र चाँदी के फ्रेम में रखकर पूजा करती हैं और "सात अनाज" जैसे गेहूँ, चावल, मूँग, सरसों, तिल, दालें और जौ का दान देती हैं। भिवानी और सिरसा में बच्चों के हाथ में सुई-धागा बंधवाने की परंपरा है, जो सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। वहाँ पूजा के समय हलवा-पूरी का भोग लगाया जाता है और बाद में बच्चों को खिलाया जाता है। पानीपत, करनाल और कुरुक्षेत्र की महिलाएँ शाम को मंदिरों में एकत्र होकर सामूहिक रूप से आरती गाती हैं और इसे दीवाली की तैयारियों की शुरुआत मानती हैं। रेवाड़ी, गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे शहरी क्षेत्रों में अब प्रिंटेड या डिजिटल चित्रों से पूजा की जाती है, लेकिन भाव वही रहता है बच्चों की सुरक्षा और परिवार की समृद्धि की कामना।

इस अवसर पर पूजा के बाद महिलाएँ गरीबों या जरूरतमंदों को भोजन, कपड़े या अनाज दान करती हैं और बड़ों के चरण छूकर आशीर्वाद लेती हैं। कई जगहों पर महिलाएँ अपने आँगन में मिट्टी के बने छोटे-छोटे दीयों की कतार लगाती हैं जिन्हें "अहोई दीए" कहा जाता है। तारे निकलने के बाद माताएँ बच्चों के नाम लेकर तारों को अर्घ्य देती हैं। इस तरह अहोई अष्टमी हरियाणा में न केवल धार्मिक श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि परिवारिक एकता, स्त्री के त्याग और मातृत्व की भावनाओं का उत्सव भी है। यह पर्व पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती आ रही उस संस्कृति का प्रमाण है, जिसमें स्त्री अपने परिवार के सुख और संतानों के कल्याण के लिए तप और भक्ति दोनों को समान भाव से निभाती है। अहोई माता की पूजा केवल एक व्रत नहीं, बल्कि प्रेम, आस्था और मातृत्व की अखंड परंपरा है जो हरियाणा की मिट्टी में आज भी उसी भाव से जीवित है।

संस्कृति | रामबीर सिंह 'राम'

लोकगीतों में 'कातक'

राम-राम! हरियाणवियों अथवा भारतीयों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में बसे भारतवंशियों के लिए दिवाली का पावन पर्व का उल्लास, उत्साह और विश्वास उनके जीवन का अंग है। इसलिए दिवाली मनाने के बारे में कुछ कहना या लिखना बेमानी-सा प्रतीत होता है। इस पर भी उन हरियाणा के लोगों की बात करें जो अपने दिन की शुरुआत से लेकर किसी से अभिवादन तक 'राम' के अतिरिक्त किसी और शब्द को स्थान न देते हों तो थोड़ा और हैरानी की बात होगी। दरअसल, भारत में दीपावली केवल एक दिन का पर्व नहीं, बल्कि पांच दिन का उत्सव अर्थात 'पंचोत्सव' है, जो कार्तिक मास की त्रयोदशी तिथि से लेकर शुक्ल पक्ष की द्वितीया तक मनाया जाता है।

ऐसे में जब दिवाली को लेकर हम हरियाणा की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि देखते हैं तो वह आह्लादित कर देती है। जहाँ पूरा कार्तिक माह ही एक उत्सव प्रतीत होता है और इसे पवित्र और पुण्यदायी महीना माना जाता है। हरियाणा में कार्तिक के माह के लोकगीत प्रचलन में हैं। इन लोकगीतों की जड़ें उतनी ही गहरी हैं, जितनी उसकी कृषि परंपरा। जब कार्तिक का महीना आता है, तो गाँवों की सुबह सरोवरों की कलकल ध्वनि और लोकनारी के स्वर से गूंज उठती हैं। महिलाएं भोर में सूर्योदय से पूर्व सरोवरों में 'कातक न्हाण' यानि स्नान के लिए जाती हैं। 'कातक न्हाण' के लिए महिलाएँ प्रातःकाल मिट्टी के दीप जलाकर, हाथों में पूजन सामग्री लिए, समूहों में एकत्र होती हैं। उनके कंठ से फूटते हैं वे मधुर हरियाणवी गीत जो पीढ़ियों से विरासत बनकर चले आ रहे हैं। एक ऐसा सुप्रसिद्ध गीत देखिए .....

राम अर लछमण दशरथ के बेटे
दोन्यूं बणखंड जां,
हे जी कोई राम मिलै भगवान,
एक बण चाले दो बण चाले
तीजे में लग आई प्यास,
हे जी कोई राम मिलै भगवान,

इसी प्रकार एक और गीत में तुलसी पूजा पर देखें..

....तुलसां माता तैं सुख दाता
बिडला सीजूं तेरा
तैं कर निस्तारा मेरा
किरसन जी का कांधा दइओ
पीताम्बर की धोती दइओ
बैकुंठ का बासा दइओ
हो ज्या निस्तारा मेरा
बिडला सीजूं तेरा

ऐसा ही एक और लोकगीत देखें ....

सत की साथण पाणी नै चाली, या तुलसां गैल होली हो राम
भरण गई जल जमना की झारी हो राम
सत की साथण न्यू उठ बोली या तुलसां ओड कुवारी हो राम
भरण गई जल जमना की झारी हो राम

*कार्तिक स्नान पर ही एक गीत अद्भुत है जो आम जन-*जीवन की स्थितियां परिभाषित करता है ....

आओ राधा नहाण चलां, मेरे राम
म्हारा तो नहीं ए चलान,दूधां मैं रम रही मेरे राम।
दूधां का कैसा हे गमान,आवै बिलाई पी जावै हरे राम।

कातक के महीने के कुछ लोकगीत यहाँ उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किए हैं। ये केवल बानगी हैं। अन्यथा हरियाणवी लोकगीतों की सरिता निरंतर प्रवाहमयी है, जिसमें श्रद्धा के साथ-साथ गृहस्थ जीवन की सादगी और ग्रामीण स्त्री की भावनाओं का संगीत भी बहता है। ये गीत न केवल स्नान की विधि का अंग हैं, बल्कि लोकभक्ति, आस्था और सामाजिक एकता के जीवंत प्रतीक हैं, जिसमें कार्तिक न्हाण के गीत भी इसी भावधारा के प्रतीक हैं। इन गीतों में रामभक्ति और कृष्णभक्ति का माधुर्य, नदियों का पवित्र स्पर्श और खेत-खलिहान की गंध घुली है। जो हमारी गाँव की आत्मा, नारी की श्रद्धा और संस्कृति की निरंतरता के सजीव प्रमाण हैं।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

प्रकाश

जब दिवाली की रात नै हजारां दीये जलैं सैं, तो वे सिर्फ अन्धेरे नै दूर कोनी करदे, बल्कि म्हारे मन म्ह उम्मीद जगावैं सैं

दीया : म्हारी सनातन संस्कृति की अमर ज्योत

परंपरा | जयदेव राठी भराण

माट्टी के उस छोट्टे से दीये म्ह जो ज्योत जलैं सै, वा सिर्फ उजाला कोनी, बल्कि म्हारी सनातन संस्कृति की आत्मा सै। जब कोए दीया जलैं सै, तो वो सिर्फ अन्धेरे नै दूर कोनी करदा, बल्कि अपणे भित्तर के अज्ञान रूपी अन्धेरे नै भी मिटाण का संकल्प लेवै सै। यो साधारण सा दिखण आल्ला माट्टी का दीया म्हारी आस्था, बिश्वास अर आध्यात्मिकता का निशान सै।

माट्टी तै बण्या, माट्टी म्ह मिलण आल्ला

दीये की सबतै बड्डी खासियत यो सै के वो माट्टी तै बणै सै - उस्से पंचतत्व तै जिसतै यो दुनिया अर हम सारे बणे सां। कुम्हार अपणे हाथां तै जब माट्टी नै आकार देवै सै, तो वो सिर्फ एक बर्तन कोनी बणावै, बल्कि पूजा का एक पवित्तर साधन बणावै सै। यो दीया हाम्नै याद दिलावै सै के हम सारे माट्टी के बणे सां अर एक दिन माट्टी म्ह ए मिल जावांगे।

यो साधारणता म्ह असाधारणता का संदेश देवै सै। दीये की बणावट जितनी सीधी सै, उतना ए गहरा सै इसका दर्शन। चार मुंहा दीया हो या एक मुंहा, हरेक दीये म्ह तेल या घी भरया जावै सै अर बाती राक्खी जावै सै। जब यो दीया जलैं सै, तो इसकी लौ ऊपर कान्नी उठै सै - यो हाम्नै सिखावै सै के जिन्दगी म्ह हमेशा ऊपर उठण का, उन्नति का जतन करणा चाहिए।

आत्मा की लौ, ध्यात्मिक महत्त्व

सनातन धरम मै दीया आत्मा का प्रतीक होवै सै। जैसे दीया तेल, घी और बाती तै जलैं सै, उसे तरहैं आत्मा शरीर और करम तै चमकै सै। ध्यान लगावण मै दीया की लौ ठहरै सै और मन भी पूजा, यक्ष और ध्यान मै दीया जरूरी सै क्योंकि यो अंदर की ज्योत नै जगावै सै।सनातन परम्परा म्ह दीया का आध्यात्मिक महत्त्व घणा गहरा सै। दीये की ज्योत नै ब्रह्म का निशान मान्या जावै सै - वो परम उजाला जो सारे अन्धेरयां नै दूर करै सै। जब हम किसे देवता कै आग्गै दीया जलांवां सां, तो यो सिर्फ एक रस्म कोनी होवै, बल्कि यो म्हारी प्रार्थना होवै सै के 'हे प्रभु, जिसा यो दीया अन्धेरे नै दूर कर रह्या सै, उस्से तरहां ए मेरी जिन्दगी तै अज्ञान का अन्धेरा दूर करो'। दीये के विभिन्न अंग हामनै जिन्दगी की सीख देवैं सै। दीये का आधार म्हारी नींव सै - म्हारे संस्कार, म्हारी माट्टी। तेल या घी म्हारे करमां का निशान सै - बढ़िया सोच करम ए जिन्दगी रूपी दीये नै जल्लाएं राक्खैं सै। बाती म्हारा मन सै - जै मन साफ सै तो ज्योत स्थिर अर चमकदार रहवैगी। अर वा लौ वा म्हारी आत्मा सै, जो सदा ऊपर, परमात्मा की ओड़ उठण का जतन करै सै।

प्रकृति और परम्परा, समाज की बात

आज जैब बिजली का झाल्लर और प्लास्टिक का सजावट चालै सै, तो माटी का दीया जलाणा एक तरहैं तैं पर्यावरण बचावै और आत्मनिर्भरता का फैसला बन गया सै। दीया ना केवल प्रकृति नै बचावणै की जिम्मेदारी दिखावै सै, बल्कि गांम के कारीगरों के घर मै भी उजाला करै सै। हर एक रोजगार सै एक सम्मान सै। माटी का दीया गांम के कुम्हार की मेहनत का प्रतीक सै, जो शहर मै भी अपनी जगह बना ले सै। दीया एकता, अपनापन और लोक कला की पहचान सै।

दीया म्हारी सभ्यता का वाहक, आस्था का निशान

दीया सिर्फ माटी का बण्या एक छोटा पात्र कोनी सै, यो म्हारी सभ्यता का वाहक सै, म्हारी आस्था का निशान सै। म्हारी जिन्दगी दर्शन का मूर्त सै, जब हम एक दीया जलांवां सां तो हम अपणे भितर भी एक दीया जलांवां सां - ज्ञान का, प्रेम का और करुणा का। सनातन संस्कृति म्ह दीये का स्थान अमर सै।

यूगों तै यो म्हारे घरां म्ह, मन्दरां म्ह,
तीज - त्यौहारां म्ह उजाला फैला रह सै।
तमसो मा ज्योर्तिमय ॥

दीया निराशा म्ह आशा का निशान सै। जब कोए माणस दुःख म्ह होवै सै, अन्धेरे तै घिरया होवै सै, तब एक दीया जलां कै हम उसनै संदेश देवां सां - अन्धेरा कितना भी घना हो, उजाले की जीत पक्की सै। योए संदेश सै म्हारी संस्कृति का - तमसो मा ज्योतिर्गमय - अन्धेरे तै उजाले की ओर चाल्लो।

जब दीवाली की रात नै हजारां दीये जलैं सैं, तो वे सिर्फ अन्धेरे नै दूर कोनी करदे, बल्कि म्हारे मन म्ह उम्मीद जगावैं सैं। वे कहवैं सैं के जिन्दगी म्ह कितनी भी मुश्किलां आवैं, हम मिलकै उननै दूर कर सकां सां। हरेक छोट्टा जतन महत्त्वपूर्ण सै, जिसा हरेक छोट्टा दीया अन्धेरे नै कम करण म्ह योगदान देवै सै। आण आली पीढ़ी जब दीया जलावै गी तो वे ना सिर्फ एक परम्परा का पालन करै गी बल्कि उस शाश्वत सच नै भी जिन्दा राख्खी उजाला ए जिन्दगी सै उजाला ए सच सै।

> दीया निराशा म्ह आशा का निशान सै। जब कोए माणस दुःख म्ह होवै सै, अन्धेरे तै घिरया होवै सै, तब एक दीया जलां कै हम उसनै संदेश देवां सां - अन्धेरा कितना भी घना हो, उजाले की जीत पक्की सै। योए संदेश सै म्हारी संस्कृति का - तमसो मा ज्योतिर्गमय - अन्धेरे तै उजाले की ओर चाल्लो।

आओ हम सारे संकल्प लेवां के अपणी जिंदगी नै एक दीये की तरह बणावां जो खुद जलैं अर दूसरां नै भी उजाला दे जो विनम्रता तै माटी पै टिक्का हो सै पर जिसकी ज्योत आसमान की ओड उठै सै । जो अन्धेरे तै लडै अर सदा उजाले की जीत का संदेश दें।

दीपों ज्योति परब्रह्म, दीपो ज्योति जनार्दनः ।
दीपो हरतु मे पाप दीप ज्योतिनरमोस्तुते ॥

योए सै दीये की महिमा, योए सै उसका संदेश, जब ताहीं या दुनिया सै, दीये की ज्योत म्हारी जिंदगी नै उजाली करदी रहवै गी ।

सांस्कृतिक धरोहर वृद्ध केदार तीर्थ और ग्यारह रुद्री मंदिर

आस्था | अंकुर शर्मा

सरस्वती की पवित्र धारा से पोषित कैथल एक महाभारत कालीन ऐतिहासिक शहर है। इसे वेद, पुराण, महाभारत आदि पवित्र ग्रंथों की रचना स्थली होने का गौरव प्राप्त है। विद्वानों का मानना है कि जहां सरस्वती नदी के तट पर वेदों की ऋचाओं का सृजन हुआ; जहां कपिष्ठल गोत्रीय लोगों ने ही कपिष्ठल-कठ संहिता नामक ग्रन्थ की रचना की; जहां विश्व प्रसिद्ध गणितज्ञ वराह मिहिर ने भी अपनी शिक्षा यहां प्राप्त कर बृहत्सहिता जैसे श्रेष्ठ ग्रंथ की रचना की थी; वह कपिस्थल ही है। महाभारत, वामन पुराण, पाणिनी की अष्टाध्यायी में कपिस्थल का उल्लेख मिलता है। चौथी शताब्दी ई.पू. के सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में यूनान के राजदूत रहे मैगस्थनीज ने अपनी पुस्तक इंडिका में इसे कबीस्थलो लिखा है। प्रसिद्ध विदेशी यात्री अल्बरूनी ने अपनी पुस्तक किताब-उल-हिन्द में कविताल नाम से इस का उल्लेख किया है। एक किवदन्ती के अनुसार यहां कपि अर्थात बन्दर अधिक पाए जाने के कारण इसे कपिस्थल कहा जाता था। यहां अंजनी माई का टीला है जिसे हनुमान जी का जन्म स्थान माना जाता है। इस प्रकार कपिस्थल, कपिष्ठल, कविताल ही अपभ्रंश होता हुआ आज का कैथल बना है।

कपिस्थल की पवित्रता और सांस्कृतिक समृद्धि का उल्लेख वामन पुराण और महाभारत में विस्तार से किया गया है। ऋग्वेद के तृतीय मण्डल 3/23/4 में सरस्वती की उपनदी आपगा नदी की स्थिति का उल्लेख किया गया है। जबकि वामन पुराण तथा महाभारत के वन पर्व में कैथल के पश्चिम में आपगा और मानुष तीर्थ स्थान है। जबकि ऋग्वेद प्रथम मंडल(1/23/4) में भी अपाय और मानुष का उल्लेख आता है। कुरुक्षेत्र की पवित्र 48 कोस में प्राप्त 134 तीर्थ स्थानों में से 50 तीर्थ सांस्कृतिक रूप से समृद्ध कैथल की परिधि में आते हैं। जिनमें पवनहृद तीर्थ, फल्गु तीर्थ, पवनेश्वर तीर्थ, कपिल मुनि तीर्थ, पुण्डरीक तीर्थ, कोटिकूट तीर्थ, वेदवती तीर्थ, वृद्ध केदार तीर्थ, ग्यारह रुद्री तीर्थ, हव्य तीर्थ, रसमंगल तीर्थ, इक्षुमति तीर्थ, अरंतुक यक्ष, लवकुश तीर्थ, वामन तीर्थ, ऋणमोचन तीर्थ आदि प्रमुख हैं। इन पवित्र तीर्थों में से दो तीर्थ वृद्ध केदार और ग्यारह रुद्री कैथल शहर के मध्य स्थित हैं। जिनका बहुत महत्त्व माना जाता है।

कैथल से उत्तर पूर्व में स्थित वृद्ध केदार तीर्थ का बहुत प्रसिद्ध है। वामन पुराण 36वें अध्याय में बताया गया है कि अगर कोई व्यक्ति इस स्थान पर तर्पण करके भगवान शिव को प्रणाम करने के बाद तीन चल्लू पानी पिता है, वह केदार तीर्थ पर जाने का फल प्राप्त कर लेता है -

कपिलस्थेति विख्यातं सर्वपातकनाशनम्।
यस्मिन स्थितः स्वयं देवो वृद्धकेदारसंज्ञितः । (वामन पुराण, 36/14)

इसी प्रकार इस सन्दर्भ में महाभारत के वन पर्व में वर्णित हैः

कपिष्ठलस्य केदारं समासाद्य सुदुर्लभम् ।
अन्तर्धानमवाप्नोति तपसा दग्धकिल्विषम् ॥ (महाभारत, वन पर्व 83/74)

यहां एक शिव मन्दिर बना हुआ है जो अष्टकोणीय है। यहां बने सरोवर की बुजियां भी अष्टकोणीय आकार लिए हैं। वामन पुराण में ऐसा भी कहा गया है कि कपिस्थल नामक तीर्थ में वृद्ध केदार नामक भगवान स्वयं विराजमान हैं। इसी प्रकार कैथल के ही पश्चिम में दूसरा महाभारत काल से एक प्रसिद्ध पुण्यदायी तीर्थ स्थान एवं मंदिर है ग्यारह रूद्री । इस मन्दिर में ग्यारह रूद्रों की स्थापना की गई है। जिनके विषय में महाभारत में वर्णित उल्लेख के अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र जो महान ऋषि थे मृगव्याध, सूर्प, निऋति, विनाकी, अहिवुथ, अजैकपाद दहन, ईश्वर, कपाली, स्थाणु और भव। महाभारत के आदिपर्व में लिखा है :-

> कैथल केवल मानचित्र पर एक शहर नहीं, बल्कि हरियाणा की आध्यात्मिक धड़कन है जहाँ हर शिलाखंड में इतिहास बोलता है और हर प्रार्थना में भक्ति की अनुगूँज सुनाई देती है। इस नगर के मंदिर और तीर्थ आज भी यह संदेश देते हैं कि संस्कृति तभी जीवित रहती है जब आस्था उसकी जड़ों में साँस लेती रहे।

एकादशसुताः स्थाणोः ख्याताः परमतेजसः।
मृगव्याधश्चसर्पश्च निऋतिश्चमहायशाः।
अजैकपादहिर्बुध्न्यः पिनाकी च परंतप।
दहनोथेश्वरश्चैव कपाली च महाधुनिः।
स्थाणुर्मगश्च भगवान रूद्रा एकादशस्मृताः। (महाभारत, आदि पर्व 66/1-3)

ये एकादश ही रूद्रों के रूप में प्रसिद्ध हुए हैं। इस मन्दिर में जलहरी में ग्यारह रूद्र स्थापित किए गए हैं। मन्दिर के दक्षिण में सर्वदेव नामक तीर्थ है। जिसे सकलसर भी कहा गया है।

कैथल के तीर्थों और मंदिरों के बारे में इस संक्षिप्त आलेख में तो यही कहा जा सकता कि कैथल के मंदिरों और तीर्थस्थलों का महत्त्व केवल आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नगर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान से जुड़ा हुआ है। यहाँ का प्रत्येक मंदिर भगवान हनुमान का प्रसिद्ध अन्नपूर्णा मंदिर हो या श्री राधा-कृष्ण का शांतिमय धाम, जनमानस की श्रद्धा और परंपरा का जीवंत प्रतीक है। इन तीर्थों के दर्शन से न केवल धार्मिक संतोष मिलता है, बल्कि यह नगर के गौरवशाली अतीत की झलक भी प्रदान करते हैं। कैथल की भूमि स्वयं महाभारतकालीन स्मृतियों से ओतप्रोत है, जहाँ धर्म, वीरता और भक्ति एक साथ प्रवाहित होते हैं। यहाँ के मंदिरों में गूंजती आरती, साधु-संतों के प्रवचन और तीर्थयात्रियों का आगमन नगर को निरंतर पावन ऊर्जा से भर देता है। यही कारण है कि कैथल केवल मानचित्र पर एक शहर नहीं, बल्कि हरियाणा की आध्यात्मिक धड़कन है जहाँ हर शिलाखंड में इतिहास बोलता है और हर प्रार्थना में भक्ति की अनुगूँज सुनाई देती है। इस नगर के मंदिर और तीर्थ आज भी यह संदेश देते हैं कि संस्कृति तभी जीवित रहती है जब आस्था उसकी जड़ों में साँस लेती रहे।

खबर संक्षेप

शहीद भगत सिंह संगठन समिति ने लगाए पौधे

हांसी। शहीद भगत सिंह संगठन समिति ने रविवार को भगत भाई चेला राम की याद में भगत चेला राम कुटिया में भगत महेन्द्र व भगत सुरेन्द्र ने कलमी आम व केले के पौधे लगाए गए। केएल ग्रोवर ने कहा कि आज लोगों में पौधे लगाने की जागरूकता लगातार बढ़ रही है। और आमजन को यह बात समझ आ गई है कि पौधो से हमें ऑक्सीजन मिलती है और ऑक्सीजन के चलते पृथ्वी पर जीवन सम्भव है और पौधो के कारण ही पर्यावरण शुद्ध होता है। प्रधान जनक महता ने कहा कि हम जब भी पौधे लगाते है तो यह बात अवश्य याद रखें कि लगाए गए पौधों को समय पर पानी व उनकी सम्भाल रखना बहुत जरूरी है।

डॉ. नेहरा युवा कल्याण निदेशक नियुक्त

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मंजू नेहरा को निदेशक, युवा कल्याण का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है। कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार ने अधिसूचना जारी की है। डॉ. नेहरा वर्ष 2007 से चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा में कार्यरत हैं और वर्तमान में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर सेवारत हैं। उन्होंने वर्ष 2016 में गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी से पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की तथा वर्ष 2004 में नेट परीक्षा उत्तीर्ण की। उनका शोध क्षेत्र फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, न्यूट्रास्यूटिकल्स और फंक्शनल फूड्स के विकास एवं विश्लेषण से संबंधित है।

दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करे सरकार

सिरसा। कालांवाली के विधायक शीशपाल केहरवाला ने आईपीएस अधिकारी वाई. पूरण कुमार के आत्महत्या मामले में आरोपी सभी अधिकारियों की निष्पक्ष जांच की मांग की है। शीशपाल केहरवाला ने रविवार को जारी बयान में कहा कि हरियाणा में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को मरने पर मजबूर करने के जिन अधिकारियों पर गंभीर आरोप हैं, राज्य सरकार उनके खिलाफ कोई भी कड़ा कदम उठाने से बच रही है जिससे प्रदेश में यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि राज्य की भाजपा सरकार अपराध व अपराधियों के प्रति कितनी कठोर है।

भाजपा राज में दलितों पर अत्याचार बढ़े : अटवाल

फतेहाबाद। दलितों पर अत्याचार जैसे कि सीजेआई पर जूता फेंकने की कोशिश, हरियाणा में एडीजीपी वाई पूरन कुमार को जातीय भेदभाव पूर्ण प्रताडन्ना सहने के चलते आत्महत्या के लिए मजबूर किया जाना, रायबरेली में दलित व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या के खिलाफ हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ ने फतेहाबाद में रोष प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को ज्ञापन दिया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव एवं मीडिया प्रभारी एडवोकेट जनक अटवाल ने किया।

इन्फोसिस कैंपस ड्राइव से पूर्व चार दिवसीय एप्टीट्यूड प्रशिक्षण कार्यक्रम

छात्रों को ज्यादा प्रशिक्षण अवसर देने के लिए विवि प्रयासरत : प्रो. बिश्नोई

फेसप्रेप नामक कोयंबटूर स्थित प्रतिष्ठित संस्था के सहयोग से आयोजित किया जा रहा कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से 4-दिवसीय एप्टीट्यूड प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। यह कार्यक्रम फेसप्रेप नामक कोयंबटूर स्थित प्रतिष्ठित संस्था के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जो प्लेसमेंट केंद्रित कौशल विकास के क्षेत्र में अग्रणी है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को आगामी 15 व 16 अक्टूबर को होने वाली इन्फोसिस कैंपस ड्राइव के लिए तैयार करना है।

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा है कि विश्वविद्यालय 'स्टूडेंट फर्स्ट' थीम के तहत विद्यार्थियों को अधिकतम प्रशिक्षण अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी दृष्टिकोण के चलते गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में 1201-1500 बैंड में स्थान प्राप्त करने वाला हरियाणा का एकमात्र विश्वविद्यालय घोषित हुआ है और एनआईआरएफ 2025 के अनुसार हरियाणा का नं.1 राज्य सार्वजनिक विश्वविद्यालय भी रहा है।

हिसार। इन्फोसिस कैंपस ड्राइव से पूर्व एप्टीट्यूड प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रशिक्षक का स्वागत करते ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट निदेशक डॉ. प्रताप मलिक।

रोजगार क्षमता को बढ़ाएं विद्यार्थी

कुलसचिव डॉ. विजय कुमार ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे इस प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाकर अपनी रोजगार क्षमता को बढ़ाएं और आगामी कैंपस चयन प्रक्रिया में सफलता प्राप्त करें। पिछले वर्ष विश्वविद्यालय के 101 विद्यार्थियों ने इन्फोसिस में सफलतापूर्वक चयन प्राप्त किया था, और इस वर्ष ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल विद्यार्थियों की तैयारी को और सशक्त बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। भर्ती प्रक्रिया की समग्र तैयारी सुनिश्चित करने के लिए 325 पंजीकृत अंतिम वर्ष के विद्यार्थी क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड, लॉजिकल रीजनिंग, पजल्स, प्स्यूडो कोड तथा एप्टीट्यूड टेस्ट रणनीतियों पर गहन प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। वास्तविक एप्टीट्यूड टेस्ट 15 अक्टूबर 2025 को पीडीयूसीआईसी में आयोजित किया जाएगा, जिसके पूर्व प्री-प्लेसमेंट टॉक ऑडिटोरियम के सेमिनार हॉल-1 में आयोजित होगी।

तकनीकी क्षेत्र में करियर

इस सत्र में कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई मुख्य अतिथि रहेंगे, साथ ही सम्मानित अतिथि के रूप में कुलसचिव डॉ. विजय कुमार तथा इन्फोसिस के वरिष्ठ एचआर अधिकारी भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। यह प्रशिक्षण फेसप्रेप के विशेषज्ञ प्रशिक्षकों ऋषिकेश, पवन और संदीप द्वारा फेसप्रेप ट्रेनिंग कोऑर्डिनेटर प्रदीपा के पर्यवेक्षण में प्रदान किया जा रहा है। वर्ष 2008 में स्थापना के बाद से फेसप्रेप भारत की अग्रणी प्लेसमेंट केंद्रित कौशल विकास कंपनियों में से एक बन चुकी है, जिसने लाखों विद्यार्थियों को तकनीकी क्षेत्र में करियर प्रारंभ करने हेतु प्रशिक्षित किया है।

कौशल प्रदान किया

यह संस्था मास्टरक्लास, स्व-गति आधारित तैयारी मॉड्यूल, वर्कशॉप्स तथा बूटकैंप्स जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को उच्च वेतन वाली नौकरियों के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करती है। कार्यक्रम का कुशल संचालन छात्र समन्वयकों अंजली, आकांक्षी, विशाल, बैच समन्वयकों चैतन्य, सोनू, अभिषेक, अंकित, तथा स्वयंसेवकों हेमांग, सनी, पूजा, अंशुल, शिवम, लोकेश, लक्ष्या, प्रशांत, मनन और गरिमा द्वारा किया जा रहा है, जिनके प्रयासों से प्रशिक्षण सत्रों का सुचारू संचालन सुनिश्चित हुआ है।

हिसार। कौशिक नगर स्थित साधना केंद्र में भाग लेते साधक। फोटो : हरिभूमि

युवाओं के लिए सफलता का मूल मंत्र है सिद्धार्थ ध्यान योग

- छठ पर्व सेवा समिति मंडल ने संजय बठला को कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड का चेयरमैन बनने पर दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

समर्थगुरुधारा संघ, हिसार में आयोजित संडे ध्यान सत्र में साधकों ने विशेष आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त किया। इस अवसर पर आचार्य बसंत ने साधकों को ब्रह्मनाद ध्यान की साधना करवाई। ध्यान सत्र के दौरान साधकों ने मन, शरीर और आत्मा की गहराई में जाकर गहन शांति, ऊर्जा और आत्मिक जुड़ाव का अनुभव किया। ब्रह्मनाद ध्यान से साधकों को अंतर्मन की ध्वनि और आत्मिक शक्ति का साक्षात्कार कराया गया।

सकारात्मक ऊर्जा का संचार

आचार्य बसंत ने साधकों को बताया कि ब्रह्मनाद ध्यान से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और साधक अपने वास्तविक स्वरुप को पहचानने की दिशा में आगे बढ़ते हैं। सत्र में बड़ी संख्या में साधक उपस्थित रहे और सभी ने ध्यान साधना का लाभ उठाया। आचार्य ने बताया कि ध्यान के प्रकार और तकनीकें विभिन्न हो सकती हैं और यह आध्यात्मिक गुरु या आध्यात्मिक शिक्षक के मार्गदर्शन में किया जाता है। ध्यान के बाद कार्यक्रम के समापन पर समर्थगुरुधारा संघ हिसार की वुमेन एंपावरमेंट की संयोजक आचार्या मां साक्षी ने आज के सत्र के आचार्य बसंत का आभार व्यक्त किया एवं उपस्थित सभी साधकों को आगामी ध्यान सत्रों की जानकारी भी प्रदान की। हमारे जीवन में ध्यान के महत्व पर विस्तार से बताते हुए समर्थगुरुधारा संघ के कार्यक्रमों के बारे चर्चा की। !

ताली कीर्तन में गूंजे श्याम बाबा के जयकारे

- भक्तों ने बाबा के दरबार में लगाई हाजिरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

श्याम बाबा की महिमा से साक्षात्कार करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रसिद्ध बीड़ बबरान धाम में सातवां निशुल्क ताली कीर्तन धूमधाम से व पूरी आस्था से आयोजित किया गया। इस दौरान भजन गाकर श्याम बाबा की स्तुति की गई। कीर्तन के लिए श्याम बाबा के दरबार को सजाकर भव्य स्वरूप दिया गया। इस अवसर पर भक्तों को बीड़ बबरान धाम की अखंड ज्योति के दर्शनों को भी सुअवसर मिला। भक्तों ने बाबा के दरबार में हाजिरी लगाकर मन्नत मांगी और जनकल्याण की कामना की। इस दौरान पूरा धाम श्याम बाबा की जय के उदघोष से गूंज उठा। इस अवसर पर निज पुजारी विनय शर्मा व अन्य गायकों ने वाद्य यंत्र वादकों के साथ संगत करते हुए भजनों के माध्यम से समां बांध दिया।

हिसार। बीड़ बबरान धाम में आयोजित ताली कीर्तन में भजन गाते श्रद्धालुगण। फोटो : हरिभूमि

हनुमान के मंदिरों के दर्शन किए

कीर्तन में हिस्सा लेने वाले भक्तों ने धाम में स्थापित श्याम बाबा के भव्य दरबार व वीर हनुमान के मंदिरों के दर्शन किए। इसके साथ ही भक्तों ने अखंड ज्योति, महाभारतकालीन पीपल के वृक्ष, शिव परिवार, धूणा, घोड़े के पांव के निशान वाली शिला व मढ़ी के भी दर्शन किए। भक्तों ने महाभारतकालीन पीपल के वृक्ष की परिक्रमा करके नारियल भी अर्पित किया। विनय शर्मा ने बताया कि श्याम बाबा भक्तों के बिगड़े हुए काम संवार देते हैं, इसलिए श्याम बाबा के चरणों में सच्चे मन से अर्जी लगानी चाहिए। उन्होंने बताया कि कोई भी श्रद्धालु अपने स्थान पर निशुल्क ताली कीर्तन करवा सकता है। इसके लिए समय सारिणी के अनुसार बीड़ बबरान धाम से संपर्क किया जा सकता है।

भजनों पर झूमे श्रद्धालु

नीला घोड़ा पंखों वाला जिस पर बैठा खाटू वाला भजन सुनकर श्रद्धालु झूमने लगे। इस अवसर पर विनय शर्मा ने बताया कि बीड़ बबरान धाम में स्थापित श्याम बाबा के दरबार के प्रति श्रद्धालुओं की अगाध आस्था है। वैसे तो हर रोज ही भक्त श्याम बाबा के दर्शनों के लिए आते हैं लेकिन विशेष अवसरों पर भक्तों की भीड़ की कोई सीमा नहीं रहती। उन्होंने बताया कि बाबा के दरबार में जो भी सच्चे मन से अर्जी लगाता है तो उसकी इच्छा अवश्य पूरी होती है।

तिरुपति धाम में रथ पर निकली भगवान की सवारी शोभायात्रा

- 26 फुट ऊंचे व नक्काशीदार रथ को रस्सों से खींचकर श्रद्धालुओं ने जताई आस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

श्री तिरुपति बालाजी धाम में चल रहे सात दिवसीय ब्रह्मोत्सव में विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु पूरे उत्साह के साथ हिस्सा ले रहे हैं। ब्रह्मोत्सव के दौरान 26 फुट ऊंचे दिव्य व नक्काशीदार रथ की शोभा यात्रा के लिए रथ को केले के वृक्षों व बहुरंगी पुष्पों से सजाया गया। चार अश्वों की प्रतिकृतियों व देवी-देवताओं की तराशी हुई प्रतिमाओं से सुसज्जित इस विशाल रथ की आभा देखकर सभी श्रद्धालुगण नतमस्तक हो गए। पूरे विधि विधान व मंत्रोच्चारण के साथ भगवान श्री तिरुपति बालाजी के विग्रह को रथ पर विराजमान किया गया। जय श्रीमन्ननारायण, जय तिरुपति बालाजी व जय गोविंदा का उदघोष करते हुए भक्तों ने अपने हाथों से इस रथ को खींचकर शोभा यात्रा निकाली और अपने इष्ट के प्रति आस्था जताई। दक्षिण भारत से पधारे वाद्य यंत्र वादकों ने मधुर संगीत लहरियों से पूरे माहौल को सुरमयी बना दिया।

हिसार। तिरुपति धाम के ब्रह्मोत्सव में निकाली गई भव्य रथ की सवारी शोभा यात्रा में उपस्थित श्रद्धालुगण।

'भारत को जानो' प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं गुरुवंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम

बरवाला। मुख्य अतिथि संजीव गंगवा को सम्मानित करते शाखा बरवाला के पदाधिकारी व सदस्यगण। फोटो : हरिभूमि

बरवाला। भारत विकास परिषद गायत्री शाखा, बरवाला द्वारा टोहाना मार्ग पर स्थित ब्राह्मण धर्मशाला के प्रांगण में विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति जागरूकता जगाने के उद्देश्य से भारत को जानो प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शाखा बरवाला प्रधान पवन शर्मा और सचिव राजेंद्र भट्ट ने बताया कि इस प्रतियोगिता में बरवाला एवं आस-पास के अनेक विद्यालयों के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने-अपने दिमागी कौशल का परिचय दिया। यह प्रतियोगिता दो वर्गों वरिष्ठ वर्ग और कनिष्ठ वर्ग में आयोजित की गई।

विश्व शांति को लेकर एक घंटे का जाप

- तेरापंथ महिला मंडल द्वारा पूरे देश में किए गए जाप के अंतर्गत हिसार में चार स्थानों पर किया एक घंटे का जाप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमण जी के इंगितानुसार अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसर हिसार तेरापंथ महिला मंडल की ओर से ओम भिक्षु का मंत्रजप का पाठ किया गया। यह जाप भारत सहित पूरे विश्व में शांति की कामना के साथ किया गया। तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्षा ने बताया कि पूरे भारत वर्ष में किए गए जाप के अंतर्गत हिसार में यह जाप 4 स्थानों पर यह जाप किया गया।

हिसार। तेरापंथ भवन में जाप करते हुए श्रावक-श्राविकाएं। फोटो : हरिभूमि

इन स्थानों पर किए गए जाप

मुनि श्री रणजीत कुमारजी ठाणा-2 के सनिध्य में तेरापंथ भवन कटला रामलीला हिसार में, शासन श्री साध्वी प्रेमलता जी ठाणा-5 के सानिध्य में सेक्टर 14 में, शासन श्री साध्वी यशोधरा जी ठाणा-7 के सानिध्य में तेरापंथ भवन मॉडल टाउन तथा डॉ श्री साध्वी शुभप्रभा जी ठाणा-4 के सानिध्य में उपसेवाकेंद्र मॉडल टाउन हिसार में इस जाप का आयोजन किया गया। इसके अलावा जूम के माध्यम से भी अनेक स्थानों पर जाप किया गया। उन्होंने बताया कि 1 घंटे तक श्रावक श्राविकाओं ने अटूट आस्था तथा श्रद्धा भक्ति के साथ अपने आराध्य के प्रति जाप किया और विश्व कल्याण की प्रार्थना की। इस आयोजन के दौरान कुल 261 श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति रही।

पुलिस विभाग करवाएगा छात्रों के लिए सड़क सुरक्षा क्विज प्रतियोगिता

- यातायात नियमों के प्रति किया जाएगा जागरूक

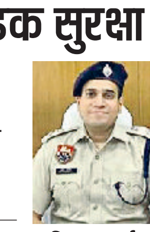

पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

बच्चों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए पुलिस प्रदेश के सभी जिलों में यातायात जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए स्कूल स्तरीय सड़क सुरक्षा क्विज प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

इस संबंध में पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने बताया कि प्रतियोगिता 15 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी।

इनको मिलेगा मौका

यह प्रतियोगिता चार स्तरों स्कूल स्तर, ब्लॉक स्तर, जिला स्तर एवं राज्य स्तर पर आयोजित की जाएगी। प्रारंभ में स्कूल स्तरीय परीक्षा तीन श्रेणियों में करवाई जाएगी, लेवल 1: कक्षा 3 से 5वीं तक के विद्यार्थी, लेवल 2: कक्षा 6 से 8वीं तक के विद्यार्थी, लेवल 3: कक्षा 9 से 12वीं तक के विद्यार्थी, स्कूल स्तर पर चयनित विद्यार्थियों को ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। स्कूल स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ब्लॉक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करेंगे। उपमंडल स्तर पर चयनित विद्यार्थी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे, और जिला स्तर के विजेता विद्यार्थी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे।

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में निवेशक जागरूकता सेमिनार

सुरक्षित एवं जिम्मेदार निवेश के प्रति जागरूक किया

सेमिनार का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं निवेशकों में वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस विभाग में विश्व निवेशक सप्ताह के अवसर पर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंच (बीएसई) के सहयोग से एक क्षेत्रीय निवेशक जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 6 से 12 अक्टूबर तक मनाए जा रहे विश्व निवेशक सप्ताह का हिस्सा है। इस सेमिनार का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं निवेशकों में वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना और उन्हें सुरक्षित एवं जिम्मेदार निवेश के प्रति जागरूक करना है।

हिसार। सेमीनार में विषय विशेषज्ञ को सम्मानित करते एसएसबी के निदेशक प्रो. विनोद कुमार बिश्नोई। फोटो : हरिभूमि

नवीन जानकारियां प्रदान की

विश्वविद्यालय के चौ. रणबीर सिंह सभागार में हुए इस कार्यक्रम में बीएसई से विशेषज्ञ वक्ताओं को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने प्रतिभागियों को निवेश एवं बाजार संबंधी नवीन जानकारियां प्रदान की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने अपने संदेश में कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में वित्तीय जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें भविष्य में निवेश के बेहतर निर्णय लेने में सक्षम भी बनाते हैं। विश्वविद्यालय सदैव विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु इस प्रकार की पहल का स्वागत करता है।

हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस विभाग के निदेशक प्रो. विनोद कुमार बिश्नोई ने बताया कि बीएसई द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जहां वे पूँजी बाजार, निवेश योजनाओं और वित्तीय सुरक्षा के बारे में व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकें।

कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अभिषेक पूनिया ने कहा कि सेमिनार में विद्यार्थियों को विशेषज्ञों के साथ संवाद करने और निवेश से संबंधित व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला है। यह कार्यक्रम निश्चित रूप से विद्यार्थियों की वित्तीय समझ और निवेश दृष्टिकोण को सशक्त बनाएगा।

सेमिनार के दौरान प्रतिभूति बाजार की संरचना एवं कार्यप्रणाली, बचत और निवेश के विविध माध्यम, म्यूचुअल फंड्स की उपयोगिता, वित्तीय बाजारों का विनियामक वातावरण, डिपॉजिटरी संस्थाओं की भूमिका तथा डिजिटल धोखाधड़ी एवं सोशल मीडिया से संबंधित सावधानियों पर विस्तार से चर्चा की।

स्वयंसेवकों ने अपने अनुभव किए साझा

हकृवि में जारी राष्ट्रीय एकता शिविर में 17 राज्यों के स्वयंसेवक ले रहे भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय परिसर में एनएसएस का राष्ट्रीय एकता शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में देश के विभिन्न 17 राज्यों से स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। शिविर के दौरान विद्यार्थियों से प्रतिदिन विभिन्न प्रकार की गतिविधियां करवाई जा रही हैं, जिसके बारे में स्वयंसेवकों ने बड़े विस्तार से जानकारी दी। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिला के विशाल प्रीत सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर के दौरान आयोजित की जा रही सभी गतिविधियां प्रेरणादायक हैं।

सभी गतिविधियां सराहनीय

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले की वंशिका ने बताया कि वे पहली बार राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में भाग ले रही हैं। शिविर के दौरान आयोजित किए जा रहे विभिन्न सत्र जीवन में नई ऊर्जा भरने वाले हैं। विश्वविद्यालय परिसर में अनुशासन, साफ-सफाई, हरियाली, भवन निर्माण शैली बहुत अच्छी हैं। राजस्थान के जयपुर से आए स्वयंसेवक विष्णु ने बताया कि शिविर की गतिविधियों में भाग लेने के लिए सुबह 5:00 बजे उठ जाते हैं और इसके पश्चात योगा, नाश्ता, शैक्षणिक सत्र,मोटिवेशन सेशन सहित विभिन्न प्रकार की गतिविधियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम जोश भर देते हैं। सभी गतिविधियां प्रेरणादायक और उत्साहवर्धक है। सिक्किम से आई ईशा लिंबू ने बताया कि शिविर के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक गतिविधियां एक मंच पर देखने को मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि शिविर का मैनेजमेंट और शिक्षकों का सहयोग प्रेरणादायक है। बिहार के जिला मुंगेर के कुमार रोबिन ने शिविर के अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का रहन-सहन, खान-पान, और अन्य सभी गतिविधियां सराहनीय हैं।

खबर संक्षेप

जिंदल पार्क के पास से 6.24 ग्राम हेरोइन सहित एक काबू

हिसार। पुलिस की नशा निरोधक टीम ने जिंदल पार्क के पास एक व्यक्ति को काबू कर 6.24 ग्राम हेरोइन बरामद की है। टीम प्रभारी उप निरीक्षक इंद्र सिंह ने बताया कि गश्त के दौरान मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जिंदल पार्क के पास से एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका। पूछताछ में उसने अपना नाम सिवानी मंडी के वार्ड 6 निवासी योगेश बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक पॉलिथीन थैली में 6.24 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने हेरोइन बरामद करके उसके खिलाफ शहर थाना में केस दर्ज कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह यह हेरोइन अंबेडकर बस्ती निवासी एक व्यक्ति से लेकर आया था। पुलिस द्वारा इस संबंध में आगे की कार्रवाई और सप्लाई नेटवर्क की जांच जारी है।

प्लॉट बेचने के नाम पर 62 लाख रुपये ठगे

हिसार। आर्थिक अपराधों एवं ठगी के मामलों पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए आज़ाद नगर पुलिस ने प्लॉट बेचने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए दोनों आरोपी पिता-पुत्र हैं। जांच अधिकारी सहायक उप निरीक्षक महिपाल ने बताया कि इस संबंध में सेक्टर 16—17 निवासी सुदेश कुमार बूरा ने शिकायत दी थी। शिकायत में उसने बताया कि आरोपियों ने हिसार की शिवाजी कॉलोनी के प्लॉट नंबर 23-ए, की बिक्री के नाम पर उससे कुल 62 लाख रुपये नगद ले लिए। आरोपियों ने न तो प्लॉट ट्रांसफर किया, न ही रुपये वापस किए। पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज करके जांच करते हुए 24 अक्टूबर 2024 को केस दर्ज किया था।

किसान धन-धान्य योजना से आय में बढेगी

हिसार। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में प्रारंभ की गई किसान धन-धान्य व आत्मनिर्भर दलहन योजना किसानों की आय वृद्धि और कृषि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की दिशा में ऐतिहासिक पहल सिद्ध होगी। यह बात भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री सुरेश गोयल धूप वाला ने योजना का स्वागत करते हुए कही। उन्होंने योजना की सराहना करते हुए कहा की इस योजना का उद्देश्य देश को खाद्यान्न और दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना तथा किसानों को आधुनिक तकनीक व संसाधनों से सशक्त करना है। उन्होंने कहा

नरवाना में मुफ्त नाक-कान-गला जांच अभियान

हिसार। हर-शहर, हर गांव मुफ्त नाक, कान व गला जांच अभियान के तहत एसएम हेल्थ एंड एजुकेशन फाउंडेशन की ओर से रविवार को नरवाना के जयराम अस्पताल में निशुल्क कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में नरवाना व आसपास के गांवों से नाक, कान व गले से संबंधित काफी मरीजों की जांच व उपचार किया गया। कैम्प में नाक, कान व गला रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रमोद जांगड़ा व डॉ. रोबिन की सेवाएं उपलब्ध रही। इसमें कान में रिसाव होना, नाक से खून आना, नक की हड्डी टेढी होना, नाक में मस्से बनना, कान से पानी आना, कम सुनना, खाना निगलने में परेशानी होना आदि बीमारियों की जांच की गई।

एडीजीपी वाई. पूरन कुमार को तंग करने वाले अधिकारियों की सीबीआई या हाईकोर्ट के सिटिंग जज से जांच करवाए सरकार: बजरंग गर्ग

उच्च अधिकारी के परिवार को सरकार इंसाफ नहीं दे सकती तो आम जनता को इंसाफ कैसे मिलेगा

कांग्रेस शहरी प्रधान के नेतृत्व में किया प्रदर्शन, अनेक नेता हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

कांग्रेस शहरी अध्यक्ष एवं प्रदेश सीनियर प्रवक्ता बजरंग गर्ग ने सरकार से मांग की है कि एडीजीपी वाई. पूरन कुमार मामले की सीबीआई या सीटिंग जज से जांच करवाई जाए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी पूर्ण रूप से पीड़ित परिवार के साथ है और सरकार को इस मामले में किसी भी आरोपी को बचाने का प्रयास नहीं करना चाहिए। बजरंग गर्ग रविवार सायं नागोरी गेट क्षेत्र में इस मसले पर किए गए प्रदर्शन के दौरान विचार रख रहे थे।

हरियाणा में कुछ भ्रष्ट अधिकारी पूरी तरह से सरकार पर हावी

बजरंग गर्ग ने कहा कि हरियाणा में कुछ भ्रष्ट अधिकारी पूरी तरह से सरकार पर हावी है। सरकार को ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों के भी खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एडीजीपी जैसे उच्च अधिकारी के परिवार को सरकार इंसाफ नही दे सकती तो आम जनता को इंसाफ कैसे मिलेगा, यह एक बहुत बड़ा चिंता का विषय है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एडीजीपी वाई.पूर्ण कुमार के परिवार वालों को इंसाफ नही मिला तो हरियाणा बंद की घोषणा की जाएगी। इस अवसर पर नलवा विधानसभा प्रत्याशी अनिल मान, हांसी विधानसभा प्रत्याशी राहुल मक्कड़, जिला परिषद के पूर्व चेयरमैन डॉ. राजेन्द्र सूरा, किसान यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष दिलबाग सिंह हुड्डा, प्रदेश प्रवक्ता सुमन शर्मा, महिला जिला अध्यक्ष सतोष जून, एससी सेल के ग्रामीण प्रधान रतन बडगुजर, शहरी एससी प्रधान सोनू लंकेश, ग्रामीण जिला अध्यक्ष सोवीन भाटला, शहरी जिलाध्यक्ष विकास ढांडा, शहरी युवा अध्यक्ष भारत सोनी, बरवाला युवा अध्यक्ष सुनील बेरवाल, उकलाना अध्यक्ष आशीष सिल्ले, हांसी युवा प्रधान अजय बेरवाल, बजरंग बंसल, स्वर्णकार संघ प्रधान रामनिवास सोनी, रवि भुटानी, महिला पूर्व अध्यक्ष गीता आहूजा, पार्षद सत्यवान पानू, एनएसआईयू के जिला प्रधान रोहित दलाल, जिला प्रवक्ता मनोज बूरा, शहरी महिला अध्यक्ष मीनू अग्रवाल, व्यापार मंडल के संगठन मंत्री राजेंद्र बंसल, प्रदेश सचिव निरंजन गोयल, रणधीर सिंह पानू, कृष्ण जगानवाला सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हिसार। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सीनियर प्रवक्ता व जिला शहरी प्रधान बजरंग गर्ग व अन्य नेता प्रदर्शन करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार की आत्महत्या पर 'राष्ट्र सेवा संघ न्यास' ने जताया शोक

- न्यास ने की मामले की निष्पक्ष जांच की मांग

हिसार। हरियाणा कैडर के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार की आत्महत्या ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। इस दुखद घटना पर राष्ट्र सेवा संघ न्यास ने गहरी संवेदना प्रकट करते हुए कहा है कि राज्य ने एक ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ और जनसेवा के प्रति समर्पित अधिकारी को खो दिया है। न्यास के मुख्य संरक्षक मुल्खराज महता, अध्यक्ष प्रेम चौधरी और महासचिव महेश महता ने कहा कि वाई. पूरन कुमार जैसे अधिकारी की आत्महत्या न केवल एक व्यक्तिगत त्रासदी है, बल्कि यह पूरे प्रशासनिक तंत्र के लिए आत्ममंथन का विषय है।

पीएम धन धान्य कृषि योजना में हरियाणा का नूंह जिला शामिल

सरकार की किसान हितैषी योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं

हकृवि में रबी फसलों का तकनीकी सत्र आयोजित, किसानों को जीएसटी के बारे में किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

- तकनीकी सत्र में जिले के विभिन्न गांवों से आए किसान भी मौजूद रहे

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानवीकी महाविद्यालय में सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं एवं कार्यक्रमों की किसानों को जानकारी देने के लिए तकनीकी सत्र आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार इसमें मुख्य अतिथि रहे बकि अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। तकनीकी सत्र में जिले के विभिन्न गांवों से आए किसान भी मौजूद रहे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम धन -धान्य कृषि योजना और दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ, कृषि और अवसंरचना कोष, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र पर 1100 से अधिक परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास ऑनलाइन माध्यम से दिखाया गया।

प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना में देश के 100 जिलों को शामिल किया गया है जिसमें हरियाणा का नूंह जिला भी शामिल है।

विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों को प्रभावशाली ढंग से क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा किसानों का जोखिम कम करने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, भावांतर भरपाई योजना, मेरी फसल मेरा ब्योरा, सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली जैसी अनेक योजनाएं चलाई जा रही है। उन्होनें कहा कि किसान सरकार हितैषी योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठायें।

हिसार। कार्यक्रम को संबोधित करते कुलसचिव डॉ. पवन कुमार व कार्यक्रम में उपस्थित दर्शक। *फोटो: हरिभूमि*

किसानों को दलहन फसल अपनाने की सलाह

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजवीर गर्ग ने किसानों से परम्परागत फसलों के स्थान पर दलहनी एवं तिलहनी फसलों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होनें कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुभारंभ किए गए दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के शुरू होने से दलहन उत्पादन को बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि किसान कम लागत में अधिक पैदावार प्राप्त करने के लिए नवीनतम कृषि तकनीकों को अपनायें। उन्होंने किसानों को जीएसटी के कारण कम हुए उपकरणों के रेट के बारे में भी बताया।

तकनीकी सत्र के दौरान कृषि वैज्ञानिकों ने दी जानकारी

तकनीकी सत्र के दौरान किसानों को विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा तकनीकी जानकारी दी गई । विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. ओपी बिश्नोई ने गेहूं व जो फसल उत्पादन, डॉ. राम अवतार ने तिलहन फसल उत्पादन, डॉ. सुनील कुमार ने चना उत्पादन तथा डॉ. सुरेश कुमार ने प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कृषि परामर्श सेवा के सह निदेशक डॉ. सुनील कुमार ढांडा ने कार्यक्रम में सभी का धन्यवाद किया जबकि डॉ. भूपेंद्र सिंह ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी वैज्ञानिक और किसान उपस्थित रहे।

हिसार। लुवास के कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा रन एंड राइड को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

सत्या साईं जन्म शताब्दी पर हुई रन एंड राइड

- हकृवि में श्री सत्या साईं संगठन ने किया रन एंड राइड का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गिरी सेंटर में श्री सत्या साईं सेवा संगठन की ओर से श्री सत्या साईं जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में रन एंड राइड का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय एकता के लिए फिट इंडिया मिशन को समर्पित रन एंड राइड को लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा ने झंडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति प्रो.वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए लोगों को जागरुक करना बहुत जरूरी है। इस रन एंड राइड का उद्देश्य केवल साइकिल चलाना नहीं बल्कि देश की एकता, भाईचारे और फिट इंडिया के संकल्प को भी मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि भारत विविधताओ से भरा हुआ देश है।

साइकिल चलाना सेहत के लिए लाभदायक

छात्र कल्याण निदेशक एवं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने कहा कि साइकिल चलाना न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि प्रदूषण को भी कम करता है। यह रन एंड राईड युवाओं मे स्वास्थ्य, अनुशासन और पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश देती है। उन्होनें श्री सत्य साई बाबा द्वारा किए गए अनेक सेवा कार्यों का उल्लेख किया।

हजारों लागों ने लिया भाग

संस्था के पदाधिकारी जगदीप भार्गव ने बताया कि रन एंड राईड में 1000 से अधिक लोगों ने भाग लिया। रन एंड राईड गिरी सेंटर से आरंभ होकर ऑर्गेनिक फार्म, हरसेक, सामुदायिक महाविद्यालय, एचएयू गेट नंबर 4, छोटू राम चौक, लक्ष्मी बाई चौक, मलिक अस्पताल, एचएयू गेट नंबर 2, कैंपस स्कूल, ठंडी सडक, हरसेक से होती हुई गिरी सेंटर में पहुंची।

कृष्णा देवी गुरुकुल में अभिभावक-शिक्षक बैठक

- विद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्ट नहीं सर्वांगीण विकास हो : काजल घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ उकलाना मंडी

कृष्णा देवी गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल, उकलाना में प्रथम सत्र की परीक्षा के परिणाम घोषित करने के लिए अभिभावक–शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में उत्साह और हर्ष का माहौल रहा। अभिभावकों ने अपने बच्चों के प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त की और शिक्षकों से उनके शैक्षणिक व सर्वांगीण विकास के बारे में चर्चा की।

विद्यालय की निदेशिका काजल धायल ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास की दिशा में कार्य करना है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का प्रत्येक बच्चा एक अनमोल प्रतिभा का भंडार है।

उकलाना। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करते स्कूल पदाधिकारी।

विद्यालय में द्वितीय सत्र का शुभारंभ

विद्यालय के प्रधानाचार्य जयप्रकाश पांडेय ने विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी और कहा कि विद्यालय के विद्यार्थी न केवल शैक्षणिक क्षेत्र में, बल्कि अनुशासन, नैतिकता और व्यवहार में भी उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि द्वितीय सत्र का शुभारंभ आज से ही कर दिया गया है और विद्यार्थियों में नई ऊर्जा व उत्साह देखने को मिल रहा है।

पांच वर्ष तक के 1500 बच्चों को पिलाई पोलियो ड्रॉप्स

- दो बूंद पोलियो ड्रॉप्स पिलाएं-जिंदगी बचाएं : ओमप्रकाश वधवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरवाला

इन्टरनेशनल रोटरी क्लब के आह्वान पर हर वर्ष की भांति रोटरी क्लब शाखा बरवाला द्वारा सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक नया बस अड्डा बरवाला के पास पोलियो उन्मूलन अभियान कैंप चलाया गया।

अध्यक्ष ओमप्रकाश वधवा ने बताया कि इस कैंप में मुख्य अतिथि के रूप में थाना बरवाला प्रभारी कर्मजीत सिंह के प्रतिनिधि एएसआई राजकुमार और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य प्रबंधक हर्ष वधवा ने शिरकत की तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डिप्टी गवर्नर विक्की रहेजा मौजूद रहे। इस कैंप के प्रोजेक्ट चेयरमेन रोटेरियन मनोहर जावा रहे।

कैंप में सभी रोटेरियन सदस्यों ने बढ़ चढ़ कर सेवाएं दी। इस कैंप में 0-5 वर्ष तक के लगभग 1500 बच्चों को पोलियो ड्राप्स पिलाई गई। सिविल अस्पताल बरवाला से डॉ. बलवान सिंह की देखरेख में नर्सिंग की छात्राओं ने भी इस कैंप में अपनी सेवाएं दी। रोटरी क्लब द्वारा यह पोलियो उन्मूलन अभियान कैंप 14 अक्टूबर तक लगाया जाएगा। अध्यक्ष ओमप्रकाश वधवा ने लोगों को अपने नजदीकी पोलियो बूथ पर जाकर 0-5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियों ड्राप्स जरूर पिलाएं जाने का आह्वान किया और कहा कि दो बूंद पोलियो ड्रॉप्स पिलाएं-जिंदगी बचाएं।

बरवाला। मुख्य अतिथि मुख्य प्रबंधक हर्ष वधवा बच्चे को पोलियो ड्रॉप्स पिलाकर अभियान का शुभारंभ करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

इस दौरान इन मुख्य अतिथियों को रोटरी क्लब द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान करके सम्मानित किया गया और नर्सिंग की छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया । इस अवसर पर डिप्टी गवर्नर विक्की रहेजा, प्रधान ओपी वधवा, सचिव डॉक्टर अभिषेक सरदाना, सुरेश जावा, सोमू रहेजा, मनोज कथूरिया, राजेश मनूजा, अर्पित जावा, पवन ढींगड़ा, देवेन्द्र गिल, बिल्लू बजाज आदि रहे।

पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए पटाखे जलाने की बजाय लगाओ पेड़ : स. जगजीत सिंह

उकलाना मंडी। श्री सुखमणि साहिब सेवा सोसायटी के प्रधान स. जगजीत सिंह ने दीपावली पर्व पर लोगों से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अपील की है कि इस बार पटाखे जलाने की बजाय पेड़-पौधे लगाकर पर्व मनाएं। उन्होंने कहा कि पौधे न केवल हवा को शुद्ध करते हैं, बल्कि घर की सुंदरता बढ़ाते हैं और वातावरण में नमी बनाए रखते हैं।स. जगजीत सिंह ने कहा कि पटाखों से जहां वायु और ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है, वहीं धन की भी हानि होती है और हमारे पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचता है। ऐसे में समाज को स्वच्छ और स्वस्थ रखने के लिए पौधारोपण एक बेहतर विकल्प है। उन्होंने सुझाव दिया कि लोग मनी प्लांट, स्नेक प्लांट, एलोवेरा और स्पाइडर प्लांट जैसे एयर-प्यूरीफाइंग पौधे लगाएं, जो हानिकारक गैसों को सोखकर हवा को शुद्ध करते हैं। स. जगजीत सिंह ने कहा कि हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि अपने बच्चों को पटाखे जलाने से रोकें और एक-एक पौध लगाकर देखभाल करें।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

मंत्री गंगवा करेंगे विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण

हिसार। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा 13 अक्टूबर को सुबह 10 बजे बरवाला नगरपालिका के भवन का उद्घाटन करेंगे। भवन के उद्घाटन करने के बाद इसी परिसर में वे जन शिकायतों की सुनवाई करेंगे और उनके निवारण की दिशा में संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश देंगे। प्रवक्ता ने बताया कि इसके पश्चात कैबिनेट मंत्री 11:30 बजे बरवाला की पंजाबी धर्मशाला में अखिल भारतीय सेवा संघ के एक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे और 1:00 बजे बरवाला नगरपालिका के सदन की बैठक में भी हिस्सा लेंगे।

दीवाली ध्यान महोत्सव ध्यान सत्र में 19 अक्टूबर के दिवाली ध्यान महोत्सव की दी जानकारी

ध्यान से शांति की खोज पर हुआ चिंतन-मनन

- बाहरी दुनिया से नहीं बल्कि अपने आंतरिक स्वरूप से जुड़कर शांति की खोज होगी पूरी : स्वामी संजय

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

ओशो ध्यान उपवन में ध्यान से शांति की खोज विषय पर आधारित चिंतन-मनन किया गया और ध्यान की विभिन्न विधियों का अभ्यास करवाया गया।

इस दौरान 19 अक्टूबर को आयोजित होने वाले दीवाली ध्यान महोत्सव की जानकारी भी साधकों के साथ साझा की गई। ध्यान सत्र के आयोजक स्वामी संजय व मां सांची ने बताया कि ध्यान सत्र में विभिन्न क्षेत्रों से साधकों ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया।

उन्होंने कहा कि मनुष्य शांति की खोज में भटकता रहता है। उसकी पूरी खोज बाहरी होती है लेकिन वास्तविकता तो यह है कि बाहरी दुनिया से नहीं बल्कि अपने आंतरिक स्वरूप से जुडक़र शांति की खोज पूरी होगी। इस खोज में ध्यान की महत्वपूर्ण भूमिका है।

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में आयोजित ध्यान सत्र में हिस्सा लेते साधक।

ध्यान और शांति

स्वामी संजय ने बताया कि ध्यान में व्यक्ति साक्षी बन जाता है, जो सुख और दुख के बीच खड़ा रहता है लेकिन उनसे प्रभावित नहीं होता। यह साक्षी भाव व्यक्ति को अपनी भावनाओं और मन के विचारों के पार देखने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि ध्यान से शांति की खोज पर आधारित बहुत से प्रवचन सतगुरु ओशो ने दिए हैं और समस्त मानवता का मार्गदर्शन किया है। ओशो के अनुसार ध्यान से शांति की खोज चेतना की विशुद्ध अवस्था में प्रवेश करके होती है, जहां विचारों का प्रवाह रुक जाता है और व्यक्ति स्वयं को एक साक्षी के रूप में अनुभव करता है। इस अनुभव में अशांति या सुख-दुख के द्वंद्व से परे जाकर, व्यक्ति स्वीकृति के माध्यम से शांति को महसूस करता है और उस आंतरिक मौन को पाता है जो अनंत और गहरा है।

जानकारी दी

सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में आयोजित ध्यान सत्र के उपरांत स्वामी संजय ने सभी साधकों को 19 अक्टूबर के दीवाली ध्यान महोत्सव की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि इस दिन प्रातः 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक विभिन्न सत्र आयोजित करके दीपावली का असली महत्व समझाया जाएगा। उन्होंने बताया कि हिसार से बाहर से आने वाले साधकों के आवास व भोजन की व्यवस्था ओशो ध्यान उपवन में ही रहेगी।